दीप ज्योति

क्रिया

शब्द

नाम

वर्ण

स्त्रीलिंग

संज्ञा

हिंदी व्याकरण

सर्वनाम

लिंग

भाग 4

वचन

अशोक लव

एम. ए., बी. एड.

(लेखक एवं शिक्षाविद्)

पूर्व हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष

द एयर फ़ोर्स स्कूल सुब्रोतो पार्क

नई दिल्ली–110010

विलोम

प्रकाशक:

एवरशाइन पब्लिशर्ज़
नांगल राया, नई दिल्ली-110046
फोन : 28111758, 28113958
Fax : 28112353
E-mail : evershinepub@gmail.com

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

डिज़ाईन और टाइपसैटिंग:
रेड रीफ डिज़ाइन स्टूडियो, दिल्ली

भूमिका

प्रत्येक भाषा के ज्ञान के लिए उसके व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक होता है। व्याकरण द्वारा ही भाषा के शुद्ध प्रयोग का ज्ञान आता है। भाषा के मौखिक और लिखित दोनों रूपों के व्यावहारिक शुद्ध प्रयोग व्याकरण द्वारा ही किया जा सकता है। हिंदी विश्व की दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक बोली जाती है। इसलिए इसे भारत की संपर्क भाषा भी कहा जाता है। यह राष्ट्रभाषा और राजभाषा तो है ही। इस दृष्टि से प्रत्येक भारतवासी के लिए हिंदी का ज्ञान आवश्यक हो जाता है और व्यवहार में प्रयोग करने के लिए इसके व्याकरण का ज्ञान भी आवश्यक है।

व्याकरण की यह शृंखला प्राथमिक कक्षाओं के लिए तैयार की गई है। इसे विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले नन्हें शिशुओं से लेकर पाँचवी कक्षा के विद्यार्थियों को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया गया है। इसकी भाषा सरल है। उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से व्याकरण नियमों को रूचिकर बनाया गया है। अभ्यास के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं। सतत् मूल्यांकन के लिए मौखिक और लिखित दोनों प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं। बहुविकल्पी प्रश्नों द्वारा विद्यार्थियों की चयन-क्षमता के मूल्यांकन के लिए प्रश्न दिए गए हैं।

पर्यायवाची, विलोम, समरूपी भिन्नार्थक, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे-लोकोक्तियाँ आदि पर्याप्त संख्या में दिए गए हैं।

व्याकरण के प्रत्येक नियम को उदाहरणों द्वारा 'करके सीखने' की पद्धति को दृष्टिगत रखकर समझाया गया है। इनसे विद्यार्थियों की सीखने की रूचि बढ़ती है।

अध्यापक-अध्यापिकाएँ विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय का ज्ञान प्रदान करते हैं। यह व्याकरण- शृंखला हिंदी भाषा के ज्ञान प्रदान करने में उनकी सहायक होगी, ऐसा हमारा विश्वास है। तीस वर्षों तक हिंदी शिक्षण से संबद्ध रहने के कारण हमने इस शृंखला को व्यावहारिक रूप प्रदान करने का प्रयास किया है। एन॰ सी॰ ई॰ आर॰ टी॰ द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार 'दीप-ज्योति' व्याकरण शृंखला समस्त विद्यालयों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

–अशोक लव

अनुक्रमाणिका

	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा (LANGUAGE)	5
2.	वर्णमाला (ALPHABET)	10
3.	संज्ञा (NOUN)	14
4.	लिंग (GENDER)	18
5.	वचन (NUMBER)	23
6.	सर्वनाम (PRONOUN)	27
7.	विशेषण (ADJECTIVE)	31
8.	क्रिया (VERB)	35
	मूल्यांकन–1	38
9.	क्रियाविशेषण (ADVERB)	39
10.	मुहावरे (IDIOMS)	41
11.	विराम-चिह्न (PUNCTUATION MARK)	45
12.	शब्द भंडार (VOCABULARY)	48
13.	अनुच्छेद-लेखन (PARAGRAPH WRITING)	56
14.	पत्र-लेखन (LETTER WRITING)	60
15.	चित्र-वर्णन (PICTURE READING)	64
16.	कहानी-लेखन (STORY WRITING)	67
17.	जीवन कौशल (LIFE SKILLS)	71
	मूल्यांकन–2	72

1. भाषा
(LANGUAGE)

चित्रों को ध्यान से देखो:-

पहले चित्र में अध्यापिका बोलकर कुछ बता रही हैं। दूसरे चित्र में वही बात वह लिखकर बता रही हैं।

इस तरह हमने देखा कि अपने विचारों और भावों को बताने के कई ढंग होते हैं। बोलकर हम अपने विचार प्रकट करते हैं। सुनकर और पढ़कर हम दूसरों के विचार समझते हैं। यह काम भाषा के माध्यम से होता है।

भाषा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है।

भाषा के दो रूप हैं-मौखिक भाषा और लिखित भाषा।

- अपने मन के विचार बोलकर प्रकट करना मौखिक भाषा है। इसे परिवार से ही सीखते हैं।
- अपने मन के विचार लिखकर प्रकट करना लिखित भाषा है।

संसार में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। सभी देशों की अपनी-अपनी भाषाएँ हैं। जैसे इंग्लैंड में अंग्रेज़ी, फ्रांस में फ्रांसीसी, अरब में अरबी, चीन में चीनी और रूस में रूसी।

भारत में भी कई भाषाएँ बोली जाती हैं। प्रत्येक प्रांत की अपनी भाषा है। जैसे: महाराष्ट्र में मराठी, गुजरात में गुजराती, पंजाब में पंजाबी, कश्मीर में कश्मीरी, केरल में मलयालम, तमिलनाडु में तमिल और आंध्र प्रदेश में तेलुगु।

भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी है। जो भाषा हम अपने माता-पिता अथवा घर के सदस्यों से सीखते हैं वह हमारी मातृभाषा होती है।

भारत में हिंदी का प्रयोग सबसे अधिक लोगों द्वारा किया जाता है। हिंदी को 14 सितंबर 1949 को भारत की राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई। प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में भी हिंदी का प्रयोग होता है। क्या तुम बता सकते हो कि वे कौन-से देश हैं जहाँ हिंदी का प्रयोग किया जाता है?

सभी भाषाओं को लिखने के लिए अलग-अलग चिह्न निश्चित किए गए हैं। इन चिह्नों को लिपि कहते हैं।

हम एक लिपि में एक से अधिक भाषाएँ भी लिख सकते हैं और एक भाषा को अन्य लिपियों में भी लिख सकते हैं।

भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी
अंग्रेज़ी	रोमन
संस्कृत	देवनागरी
उर्दू	फ़ारसी

भाषा	लिपि
पंजाबी	गुरुमुखी
बंगला	बांग्ला
जर्मन	रोमन
फ्रेंच	रोमन

व्याकरण हमें भाषा को सही बोलना, पढ़ना और लिखना सिखाता है। भाषा के सही प्रयोग के लिए व्याकरण का ज्ञान होना आवश्यक है।

आओ ब्रेल लिपि के विषय में जानें

ब्रेल लिपि ऐसे लोगों के लिए है जो देख नहीं सकते। इस विधि में प्रत्येक अक्षर के लिए कुछ बिंदु होते हैं, जो कागज़ पर उभरे हुए होते हैं। उन्हें उंगली से छूकर पढ़ा जाता है।

ब्रेल लिपि का आविष्कार फ्रांस के लुई ब्रेल ने किया था। लुई ब्रेल जन्म से ही दृष्टिहीन थे। उन्होंने इस लिपि का आविष्कार 15 वर्ष की आयु में किया था।

लुई ब्रेल

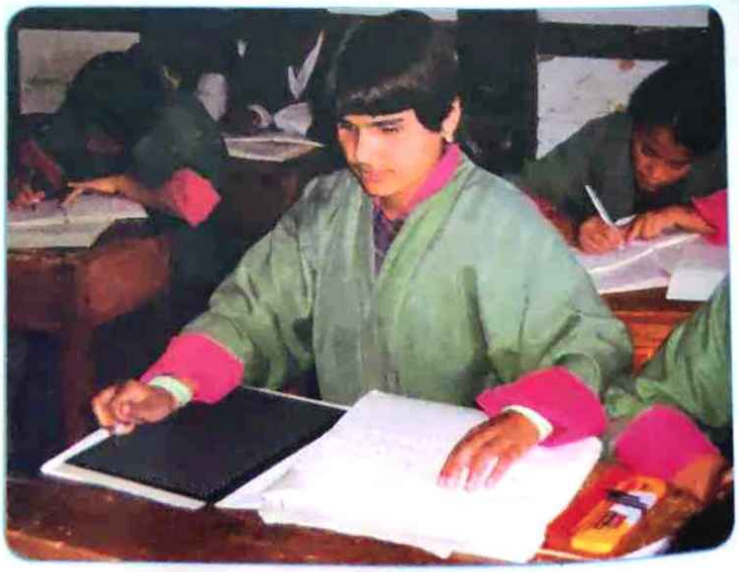

ब्रेल लिपि पढ़ते लोग

नीचे दी हुई ब्रेल लिपि को ध्यान से देखो:

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ
क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	ळ
श	ष	स	ह	क्ष		ज्ञ	ऋ	ड़	ढ़
अं	अः	अँ	़	ऑ	ऍ	ऽ	।		

अमन

संजय

ध्यान दो

- ★ भाषा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है।
- ★ भाषा के दो रूप हैं- मौखिक और लिखित।
- ★ भारत की राष्ट्र भाषा हिंदी है।
- ★ व्याकरण भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।
- ★ ब्रेल लिपि दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए बहुत उपयोगी है।

अभ्यास

1. सही उत्तर पर ✓ लगाओ:

(क) बच्चा मौखिक भाषा कहाँ सीखता है?

परिवार में ☐ विद्यालय में ☐ बाज़ार में ☐

(ख) भारत की राष्ट्रभाषा क्या है?

अंग्रेज़ी ☐ पंजाबी ☐ हिंदी ☐

(ग) हिंदी भाषा की लिपि क्या है?

रोमन ☐ गुरुमुखी ☐ देवनागरी ☐

2. खाली स्थानों में ठीक शब्द चुनकर लिखो:

(क) अपने मन के विचार लिखकर प्रकट करना ..... भाषा है। (मौखिक/ लिखित)

(ख) जो भाषा हम अपने माता-पिता से सीखते हैं, वह हमारी ..... है। (राष्ट्रभाषा / मातृभाषा)

(ग) पंजाबी भाषा की लिपि ..... है। (रोमन / गुरुमुखी)

(घ) व्याकरण भाषा के ..... रूप का ज्ञान कराता है। (शुद्ध / अशुद्ध)

(ङ) दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए ..... बहुत उपयोगी है। (रोमन लिपि/ ब्रेल लिपि)

3. दिए गए वाक्यों में सही के आगे ✓ और गलत के आगे × लगाओ:

(क) भाषा के माध्यम से हम अपने विचार प्रकट करते हैं। ☐

(ख) संसार में केवल अंग्रेज़ी बोली जाती है। ☐

(ग) प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है। ☐

(घ) ब्रेल लिपि में प्रत्येक अक्षर के लिए कुछ उभरे हुए बिंदु होते हैं। ☐

(ङ) ब्रेल लिपि देखकर पढ़ी जाती है। ☐

4. इन राज्यों की भाषाओं के नाम लिखो:

	राज्य	भाषा
(क)	असम	असमिया/असमी
(ख)	पंजाब	.....
(ग)	राजस्थान	.....
(घ)	तमिलनाडु	.....
(ङ)	महाराष्ट्र	.....
(च)	गुजरात	.....
(छ)	केरल	.....
(ज)	आंध्र प्रदेश	.....

5. चित्र देखकर भाषा के सही रूप पर ✓ लगाओ:

(बोलकर, लिखकर)

(संकेत से, बोलकर)

(बोलकर, लिखकर)

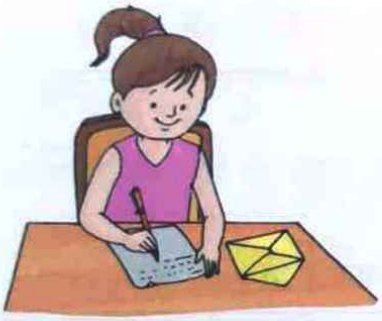

(बोलकर, लिखकर)

(संकेत से, बोलकर)

(बोलकर, लिखकर)

करो और सीखो

1. पाँच भारतीय भाषाओं के समाचार पत्रों से समाचार की एक-एक कतरन अपनी हिंदी एलबम में चिपकाओ। प्रत्येक कतरन के नीचे उस भाषा का नाम लिखो।
2. पास-पड़ोस में रहने वाले विभिन्न प्रांतों के लोगों से मिलो। उनकी भाषाओं की एक से दस तक की गिनती अपनी हिंदी एलबम में लिखो। यह भी सीखो कि उन्हें कैसे बोला जाता है।

पंजाबी

तेलुगु

बंगाली

गुजराती